बालगोबिन भगत

Question 1.
लेखक ने भगत जी के गायन का चरमोत्कर्ष कब देखा ?
(a) धान की रोपाई के समय
(b) जब भगत के पुत्र की मृत्यु हुई
(c) साहब के दरबार में
(d) जब वे गंगा स्नान के लिए जाते थे

▼ Answer

Answer: (b) जब भगत के पुत्र की मृत्यु हुई
जब भगत जी के पुत्र की मृत्यु हुई।

Question 2.
भगत अपने पुत्र का अधिक ध्यान क्यों रखते थे ?
(a) उनका वह एकमात्र पुत्र था
(b) उनका पुत्र विशेष प्रतिभा वाला था
(c) पुत्र-मोह के कारण
(d) वह मानसिक रूप से कमजोर था, उसे देखभाल की ज्यादा जरूरत थी

▼ Answer

Answer: (d) वह मानसिक रूप से कमजोर था, उसे देखभाल की ज्यादा जरूरत थी
उनका पुत्र मानसिक रूप से कमजोर था, उसे देखभाल की ज्यादा जरूरत थी।

Question 3.
भगत जी ने अपने पुत्र की मृत्यु पर पुत्र-वधू से रोने के स्थान पर उत्सव मनाने के लिए क्यों कहा ?
(a) आत्मा और परमात्मा का मेल हो गया था
(b) आत्मा-परमात्मा का मेल खुशी की बात है। दुःख की नहीं
(c) विरहिनी को उसका प्रिय मिल गया
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

Question 4.
बालगोबिन भगत ने लीक से हटकर सबसे बड़ा क्या कार्य किया ?
(a) पुत्रवधू से अपने बेटे की चिता को मुखाग्नि दिलवाई
(b) पुत्रवधू के भाई को बुलाकर उसका पुनर्विवाह करने को कहा
(c) 'a' और 'b' दोनों कथन सत्य हैं
(d) केवल 'a' कथन सत्य है

▼ Answer

Answer: (c) 'a' और 'b' दोनों कथन सत्य हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 5.
भगत जी द्वारा अपनी पुत्रवधू से बेटे की चिता को मुखाग्नि दिलवाना क्या सिद्ध करता है ?
(a) वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते थे
(b) वे स्त्री-पुरुष की समानता पर बल देते थे
(c) वे कबीर के आदर्शों के सच्चे वाहक थे
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथनं सत्य हैं।

Question 6.
भगत जी प्रतिवर्ष गंगा स्नान के लिए क्यों जाते थे ?
(a) संत समागम के लिए
(b) उन्हें पद यात्रा का शौक था
(c) गंगा के प्रति उनके हृदय में अगाध श्रद्धा थी
(d) उनकी मान्यता थी कि गंगा स्नान से पुण्य लाभ मिलता है

▼ Answer

Answer: (a) संत समागम के लिए
संत समागम के लिए जाते थे।

Question 7.
जीवन की अंतिम सांझ में लेखक को भगत का गीत कैसा लगा ?
(a) जैसे वीणा का तार टूट गया हो ।
(b) बहुत ही मधुर
(c) दुःखद
(d) अलौकिक गहराइयों में ले जाने वाला

▼ Answer

Answer: (a) जैसे वीणा का तार टूट गया हो।

Question 8.
बालगोबिन भगत किस कारण से साधु कहलाते थे ?
(a) आचरणगत शुद्धता के कारण
(b) सच्चा साधक होने के कारण
(c) निर्मोही एवं संयमी होने के कारण
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कारण सत्य हैं।

Question 9.
कबीर में बालगोबिन भगत की श्रद्धा का कारण था ?
(a) कबीर निर्भीक संत थे

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(b) कबीर पाखंड के विरोधी थे
(c) कबीर छुआछूत, जाति-प्रथा आदि के विरोधी थे
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कारण सत्य हैं।

Question 10.
गाँव का सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यों भर जाता था ?
(a) आषाढ़ वर्षा का महीना होता है
(b) ज्येष्ठ के महीने की तपिश से लोगों को छुटकारा मिल जाता है
(c) लोग धान की रोपाई शुरू कर देते हैं
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कारण सत्य हैं।

Question 11.
एक सच्चे साधु की पहचान कैसे होती है ?
(a) उसके विचारों से
(b) उसके पहनावे से
(c) उसकी ईश्वर भक्ति से
(d) उसके बाहरी व्यक्तित्व से

▼ Answer

Answer: (a) उनके विचारों से।

Question 12.
रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म कब हुआ ?
(a) सन् 1900 में
(b) सन् 1902 में
(c) सन् 1912 में
(d) सन् 1922 में

▼ Answer

Answer: (b) सन् 1902 में
सन् 1902 में बिहार के बेनीपुरी गाँव में।

Question 13.
बेनीपुरी जी ने निम्नलिखित में से किस पत्र-पत्रिका का संपादन नहीं किया ?
(a) किसान मित्र
(b) युवक
(c) सरस्वती
(d) जनवाणी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

▼ Answer

Answer: (c) सरस्वती
उन्होंने सरस्वती पत्रिका का संपादन नहीं किया।

Question 14.
निम्नलिखित में से कौन-सी रचनाएँ बेनीपुरी की नहीं हैं ?
(a) गोदान एवं रंगभूमि
(b) पतितों के देश में एवं अंबपाली
(c) चिता के फूल एवं पैरों में पंख बाँधकर
(d) माटी की मूरतें एवं गेहूँ और गुलाब

▼ Answer

Answer: (a) गोदान एवं रंगभूमि
गोदान एवं रंगभूमि मुंशी प्रेमचंद जी की रचनाएँ हैं।

Question 15.
लेखक का सिर किस गर्व से ऊँचा रहता था ?
(a) वे ब्राह्मण जाति के थे
(b) वे अपने को विद्वान समझते थे
(c) वे जमींदार के बेटे थे
(d) वे एक बड़े राजनेता थे

▼ Answer

Answer: (a) वे ब्राह्मण जाति के थे
ब्राह्मण जाति का होने के कारण वे गर्व महसूस करते थे।

Question 16.
बालगोबिन भगत किसे साहब मानते थे ?
(a) रामानंद को
(b) विरजानंद को
(c) नंददास को
(d) कबीरदास को

▼ Answer

Answer: (d) कबीरदास को
बालगोबिन भगत कबीर को साहब मानते थे।

Question 17.
बालगोबिन भगत अपने साहब के प्रति श्रद्धा कैसे दर्शाते थे ?
(a) उनके गीतों को गाकर एवं उनके दिखाए रास्तों पर चलकर
(b) सामाजिक आडंबरों एवं रूढ़ियों का विरोध करके
(c) संसार को नश्वर तथा ईश्वर को सत्य बताकर
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

Question 18.
बालगोबिन भगत सब चीज़ों को किसकी सम्पत्ति मानते थे ?
(a) साहब की
(b) अपनी
(c) ईश्वर की
(d) जमींदार की

▼ Answer

Answer: (a) साहब की
साहब की सम्पत्ति।

Question 19.
बालगोबिन भगत की आजीविका का क्या साधन था ?
(a) भिक्षा माँगना
(b) गाँव वालों द्वारा दी गई सहायता
(c) कृषि
(d) अध्यापन कार्य

▼ Answer

Answer: (c) कृषि
वे एक कृषक थे। कृषि ही उनकी आजीविका थी।

Question 20.
भगत जी के गीतों की क्या विशेषता थी ?
(a) भगत जी के गीतों में ईश्वर के प्रति आस्था तथा प्रेम था
(b) गीतों के बोल भगत जी की जिह्वा का स्पर्श पाकर जीवंत हो उठते थे
(c) उनके गीतों में अज्ञानी तथा भटके हुए लोगों को राह पर लाने की टेर होती थी
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

Question 21.
भगत जी का कौन-सा गीत लोगों को चौंकाता
(a) मोको कहाँ ढूंढ़े बंदे
(b) संतो भई आई ग्यान की आँधी
(c) गोदी में पियवा, चमक उठे सखिया
(d) राम मोहि तारि कहाँ लै जैहौं

▼ Answer

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer: (c) गोदी में पियवा, चमक रहे सखिया।

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे। साठ से ऊपर के ही होंगे। बाल पक गए थे। लंबी दाढ़ी या जटाजूट तो नहीं रखते थे, किंतु हमेशा उनका चेहरा सफेद बालों से ही जगमग किए रहता। कपड़े बिलकुल कम पहनते। कमर में एक लंगोटी-मात्र और सिर में कबीरपंथियों की-सी कनफटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन, जो नाक के एक छोर से | ही, औरतों के टीके की तरह, शुरू होता। गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बाँधे रहते।
ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेतीबाड़ी भी थी, एक अच्छा साफ-सुथरा मकान भी था।

Question 1.
बालगोबिन भगत का कद कैसा था ?
(a) छोटा
(b) बहुत लम्बा
(c) मँझोला कद
(d) बहुत ठिगना

▼ Answer

Answer: (c) मँझोला कद
बालगोबिन भगत मँझले कद के आदमी थे।

Question 2.
बालगोबिन भगत क्या पहनते थे ?
(a) अचकन
(b) लंगोटी एवं कबीरपंथी टोपी
(c) कुर्ता-पाजामा
(d) वे नंग-धडंग रहते थे

▼ Answer

Answer: (b) लंगोटी एवं कबीरपंथी टोपी।

Question 3.
वे मस्तक पर कैसा टीका लगाते थे ?
(a) भस्म का टीका
(b) हल्दी का टीका
(c) कृष्णनामी टीका
(d) रामनामी चंदन का टीका

▼ Answer

Answer: (d) रामनामी चंदन का टीका।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 4.
वे गले में कैसी माला पहनते थे ?
(a) चंदन से बनी हुई
(b) मोतियों से बनी हुई
(c) तुलसी की जड़ों से बनी हुई
(d) 108 मनकों की माला

▼ Answer

Answer: (c) तुलसी की जड़ों से बनी हुई।

Question 5.
बालगोबिन भगत की जीविका का क्या साधन था ?
(a) वे भीख माँगते थे
(b) वे मंदिर से जो मिलता था, उसे खा लेते थे
(c) वे खेती-बाड़ी करके अपना निर्वाह करते थे
(d) वे व्यापार करते थे

▼ Answer

Answer: (c) वे खेती-बाड़ी करके अपना निर्वाह करते थे।

---

(2)

बालगोबिन भगत साधु थे-साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता!-कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे, लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते-जो उनके घर से चार कोस दूर पर था-एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

Question 1.
बालगोबिन भगत किन परिभाषाओं पर खरे उतरने वाले थे?
(a) एक कृष्ण की
(b) एक गृहस्थ की
(c) एक साधु की
(d) एक मानव की

▼ Answer

Answer: (c) एक साधु की।

Question 2.
बालगोबिन भगत की श्रद्धा किन पर थी ?
(a) श्रीराम पर
(b) गुरु नानक पर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(c) तुलसीदास पर
(d) कबीर पर

▼ Answer

Answer: (d) कबीर पर
उनकी श्रद्धा कबीर पर थी।

Question 3.
बालगोबिन भगत का व्यवहार कैसा था ?
(a) वे दो-टूक बात कहते थे
(b) वे झूठ नहीं बोलते थे और सबसे खरा व्यवहार करते थे
(c) वे खामखाह किसी से झगड़ा मोल नहीं लेते थे
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं
a, b, c-सभी कथन सत्य हैं।

Question 4.
खेत में पैदा हुए अनाज को वे पहले कहाँ ले जाते थे ?
(a) अपने घर में
(b) कबीरपंथी मठ में
(c) मंडी में
(d) खलिहान में |

▼ Answer

Answer: (b) कबीरपंथी मठ में
कबीरपंथी मठ में ले जाते थे, फिर वहाँ से घर लाते थे।

Question 5.
'साधु' शब्द का उचित विलोम होगा .....?
(a) असाधु
(b) दुष्ट
(c) राक्षस
(d) नटखट

▼ Answer

Answer: (a) असाधु।

---

(3)

बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किन्तु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नज़र रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फुरसत! किंतु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है। हमने सुना, बालगोबिन भगत का बेटा मर गया। कुतूहलवश उनके घर गया। देखकर दंग रह गया। बेटे को आँगन में एक चटाई पर लिटाकर एक सफेद कपड़े से ढाँक कर रखा है। वह कुछ फूल तो हमेशा की रोपते रहते, उन फूलों में कुछ तोड़कर उस पर बिखरा दिए हैं, फूल और तुलसीदल भी। सिरहाने एक चिराग जला रखा है। और, उसके सामने ज़मीन पर ही आसन जमाए गीत गाए चले जा रहे हैं! वही पुराना स्वर, वही पुरानी तल्लीनता। घर में पतोहू रो रही है जिसे गाँव की स्त्रियाँ चुप कराने की कोशिश कर रही हैं। किंतु, बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं! हाँ, गाते-गाते कभी-कभी पतोहू के नजदीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात? मैं कभी-कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किंतु नहीं, वह जो कुछ कह रहे थे उसमें उनका विश्वास बोल रहा था-वह चरम विश्वास जो हमेशा ही मृत्यु पर विजयी होता आया है।

Question 1.
बालगोबिन भगत की साधना का चरमोत्कर्ष कब देखा गया ?
(a) जब वे गंगास्नान के लिए गए
(b) जब धान की रोपाई हो रही थी
(c) जब वे बीमार पड़े
(d) जब उनके पुत्र की मृत्यु हुई

▼ Answer

Answer: (d) जब उनके पुत्र की मृत्यु हुई।

Question 2.
बालगोबिन भगत अपने पुत्र को अधिक क्यों मानते थे ?
(a) क्योंकि उसको प्यार-मुहब्बत की ज्यादा आवश्यकता
(b) क्योंकि वह बोदा व सुस्त था
(c) वह बहुत शक्तिशाली था
(d) 'a' और 'b' कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) 'a' और 'b' कथन सत्य हैं।

Question 3.
भगत को दुनियादारी से निवृत्त किसने किया ?
(a) उसकी बहू ने
(b) उसके पुत्र ने
(c) उसके कर्मों ने
(d) गाँव के लोगों ने

▼ Answer

Answer: (a) उसकी बहू ने।

Question 4.
बेटे के मरने पर बालगोबिन भगत क्या कर रहे थे ?
(a) वे गीत गा रहे थे

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(b) वे अपनी पुत्र-वधू को समझा रहे थे
(c) उन्होंने अपने पुत्र के सिराहने एक चिराग जला – रखा था।
(d) 'a' और 'b' कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) 'a' और 'b' कथन सत्य हैं।

Question 5.
'तल्लीनता' शब्द में मूल शब्द, उपसर्ग व प्रत्यय अलग करने पर सही विकल्प होगा .....।
(a) तल + लीन + ता
(b) तत् + लीन + ता
(c) तल्लीन + ता
(d) तत् + लीनता

▼ Answer

Answer: (b) तत् + लीन + ता।

---

(4)

आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ है। कहीं हल चल रहे हैं, कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी है। आसमान बादल से घिरा, धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है-यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत का समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अंगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध; खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं; वे गुनगनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!

Question 1.
आसाढ़ में किसान क्या कार्य करते हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वे हल चलाते हैं
- धान की रोपाई करते हैं।

Question 2.
आसाढ़ के महीने में मौसम कैसा हो जाता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- उल्लास भरा, क्योंकि वर्षा होने लगती है
- पुरवाई चलने लगती है।

Question 3.
बालगोबिन भगत अपने खेत में क्या कार्य करते हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वे धान की रोपाई करते हैं
- वे गीत गाते हैं।

Question 4.
बालगोबिन गीत गाने में किस प्रकार मग्न होते हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वे पूरी लय के साथ गाते हुए मस्त हो जाते हैं
- वे पूरे संगीत साधक लगते हैं
- उनका गायन स्वर्गिक आनंद देता है।

Question 5.
बालगोबिन भगत के गायन का अन्य लोगों पर क्या असर पड़ता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वे गुनगुनाने लगते हैं
- हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं
- रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं।

---

(5)

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी। किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना। इधर पतोहू रो-रोकर कहती-मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा, बीमार पड़े तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए! लेकिन भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं इस घर को छोड़कर चल दूंगा-यह थी उनकी आखिरी दलील और दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

Question 1.
बालगोबिन भगत ने पतोहू से ही पुत्र की चिता को आग क्यों दिलाई ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वे कबीर के सिद्धांतों को मानने वाले थे
- वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते थे।

Question 2.
बालगोबिन भगत ने श्राद्ध की अवधि पूरी होने पर अपनी पुत्रवधू को उसके भाई के साथ क्यों भेज दिया ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वह अभी जवान थी इसलिए उसकी शादी दूसरी जगह का देनी चाहिए
- वे रूढ़ियों का खंडन करना चाहते थे
- वे विधवा-विवाह को उचित समझते थे।

Question 3.
बालगोबिन की पतोहू अपने घर क्यों नहीं जाना चाहती थी ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वह अपने ससुर की सेवा करना चाहती थी
- उसको उनके भोजन-पानी की चिंता थी।

Question 4.
भगत ने पतोहू के न जाने पर क्या निर्णय लिया ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- यदि तुम नहीं जाओगी तो मैं इस घर से चला जाऊँगा
- तुम्हें मेरी बात माननी ही होगी।

Question 5.
इन पंक्तियों के माध्यम से बालगोबिन भगत की कैसी छवि उभरती है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- वे बहुत दृढ़-निश्चयी थे
- वे रूढ़ियों का खंडन करने वाले थे
- वे सच्चे अर्थों में कबीर के अनुयायी थे।

---

(6)

बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। वह हर वर्ष गंगा-स्नान करने जाते। स्नान पर उतनी आस्था नहीं रखते, जितना संत-समागम और लोक-दर्शन पर। पैदल ही जाते। करीब तीस कोस पर गंगा थी। साधु को संबल लेने का क्या हक? और, गृहस्थ किसी से भिक्षा क्यों माँगे? अतः घर से खाकर चलते, तो फिर घर पर ही लौटकर खाते। रास्ते भर बँजड़ी बजाते, गाते जहाँ प्यास लगती, पानी पी लेते। चार-पाँच दिन आने-जाने में लगते; किंतु इस लंबे उपवास में भी वही मस्ती! अब बुढ़ापा आ गया था, किंतु टेक वही जवानीवाली। इस बार लौटे तो तबीयत कुछ सुस्त थी। खाने-पीने के बाद भी तबीयत नहीं सुधरी, थोड़ा बुखार आने लगा। किंतु नेम-व्रत तो छोड़नेवाले नहीं थे। वही दोनों जून गीत, स्नान-ध्यान, खेतीबारी देखना। दिन-दिन छीजने लगे। लोगों ने नहाने-धोने से मना किया, आराम करने को कहा। किंतु, हँसकर टाल देते रहे। उस दिन भी संध्या में गीत गाए, किंतु मालूम होता जैसे तागा टूट गया हो, माला का एक-एक दाना बिखरा हुआ। भोर में लोगों ने गीत नहीं सुना, जाकर देखा तो बालगोबिन भगत नहीं रहे सिर्फ उनका पंजर पड़ा है!

Question 1.
बालगोबिन भगत गंगा-स्नान क्यों जाते थे ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- संत-समागम करने
- लोक-दर्शन करने।

Question 2.
बालगोबिन भगत किस प्रकार यात्रा करते थे ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- वे नंगे पैर पैदल जाते थे
- वे रास्ते में कुछ खाते नहीं थे
- वे भिक्षा नहीं माँगते थे
- वे उपवास में भी मस्त रहते थे
- वे भजन गाते चले जाते थे।

Question 3.
अबकी बार गंगा-स्नान से आकर उनकी हालत क्यों खराब हो गई ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- वे बूढ़े हो गए थे
- शरीर में कष्ट सहने की पहले जैसी ताकत नहीं बची थी
- उन्होंने अपना नेम-व्रत नहीं छोड़ा था।

Question 4.
बालगोबिन भगत को लोगों ने क्या समझाया ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- नहाने-धोने से मना किया
- काम करने से मना किया।

Question 5.
मृत्यु की पूर्व संध्या पर बालगोबिन का गीत कैसा लगा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- जैसे कोई तागा टूट गया हो
- जैसे मोती का एक-एक दाना बिखर गया हो
- उनके स्वर में तारतम्य नहीं था।

बोधात्मक प्रश्न

Question 1.
बालगोबिन भगत का संगीत लोगों पर किस प्रकार जादू करता था ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- बच्चे भगत के संगीत पर झूमने लगते थे
- हलवाहों के पैर थिरकने लगते थे
- औरतों की अँगुलियाँ रोपाई के समय अजीब क्रम के चलने लगती थीं
- वे गीत गाने लगती थीं।

Question 2.
बालगोबिन भगत ने अपने किन निर्णयों से समाज की रूढ़ियों को तोड़ना चाहा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- पुत्रवधू द्वारा पुत्र की चिता को मुखाग्नि देना
- पुत्रवधू को दोबारा विवाह करने की बात कहना।

Question 3.
'विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली' इस कथन के द्वारा बालगोबिन भगत क्या कहना चाहते हैं ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- आत्मा परमात्मा का अंश है
- आत्मा का परमात्मा से मिलना दुःख की नहीं, हर्ष की बात है
- शरीर नश्वर है, ईश्वर अनश्वर है और आत्मा भी अनश्वर है।

Question 4.
बालगोबिन भगत किस संत के अनुयायी थे ? उन पर उनका कितना प्रभाव पड़ा ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- वे कबीर के अनुयायी थे
- वे खेत में पैदा अनाज को पहले कबीर के मठ में ले जाते थे
- वे उनके द्वारा बताए गए सिद्धांतों का दृढ़ता से पालन करते

Question 5.
बालगोबिन भगत अपनी पुत्रवधू का विवाह क्यों करना चाहते थे ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- वे नहीं चाहते थे कि वह वैधव्य जीवन काटे
- इसकी उम्र वासनाओं पर नियंत्रण करने की नहीं है
- भगत समाज की वस्तु स्थिति को भली-प्रकार समझते थे
- वे समाज से रूढ़ियों को समाप्त करना चाहते थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in